भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 665

जिसका उत्तर 02 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है

खनन के लिए वनों की कटाई

665. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा ईस्ट और कांता बासन कोयला खदानों का आवंटन किस तिथि को किया गया और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) खनन के उद्देश्य से उक्त वन में कितने पेड़ काटे गए हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) पेड़ों की कटाई से इस वन में रहने वाले हाथियों, भालुओं, सरीसृपों और अन्य जानवरों के जीवन पर किस तरह प्रभाव पड़ा है और विस्थापन सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : कैप्टिव उपयोग के लिए परसा पूर्व और कांता बासन कोयला खानें 31 मार्च, 2015 को मैसर्स राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) को आवंटित की गई हैं जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

कोयला खानों के नाम	खानों की संख्या	राज्य	जिला	सफल आवंटिती	नीलामी/आवंटन	पीआरसी (एमटीपीए)	अंत्य उपयोग	आवंटन की तिथि
परसा पूर्व एवं कांता बासन	2	छत्तीसगढ़	सरगुजा और सूरजपुर	राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि.	आवंटन	18	विद्युत	31-03-2015

(ख) : वन विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार खनन उद्देश्य के लिए उपर्युक्त कोयला ब्लॉकों में काटे गए वृक्षों की संख्या 1,08,137 है।

(ग) : वन स्वीकृति (एफसी) प्रदान करने की प्रक्रिया में, वनों में हाथियों और अन्य वन्यजीवों के संबंध में सम्यक तत्परता बरती गई है। इसके अतिरिक्त, उपयुक्त उपायों के साथ कार्यान्वयन के लिए एक व्यापक वन्यजीव प्रबंधन योजना तैयार की गई है।

****